संत गुरु रविदास की जयंती

[स्रोत: पी.आई.बी.](#).

प्रधानमंत्री **ने संत गुरु रविदास को** उनकी **648 वीं जयंती पर** श्रद्धांजलि अर्पित की, जो **माघ माह की पूर्णिमा तिथि** (जो **वर्ष 2025 में 12 फरवरी को है)** को मनाई जाती है।

संत गुरु रविदास:

- इनका जन्म **1377 ई. में सीर गोवर्धनपुर (उत्तर प्रदेश)** में हुआ। वे **भक्ति आंदोलन** के **संत, कवि और समाज सुधारक** थे।
- **इन्हें रैदास, रोहिदास और रुहिदास** के नाम से भी जाना जाता था। वे **हाशिये पर स्थित समुदाय** से थे लेकिन उन्होंने मानवाधिकार, समानता एवं आध्यात्मिक ज्ञान पर बल दिया।
- इनके **पद गुरु ग्रंथ साहिब** में शामिल हैं और **मीराबाई ने उन्हें अपना आध्यात्मिक मार्गदर्शक** माना था।
- यह दिन **पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में व्यापक रूप से मनाया जाता है।**
  - **पंजाब का दोआब क्षेत्र** एक महत्त्वपूर्ण [रविदासिया दलित समुदाय](#) का स्थान है, जो **संत रविदास की शिक्षाओं** का पालन करता है।

भक्ति आंदोलन:

- यह **7 वीं और 17 वीं शताब्दी** के बीच एक **आध्यात्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलन था**, जिसमें **व्यक्तिगत ईश्वर के प्रति भक्ति पर ज़ोर दिया गया** तथा अनुष्ठानों और जाति पदानुक्रम को खारिज़ कर दिया गया।
- यह संपूर्ण भारत में फैल गया और **हिंदू धर्म, सिख धर्म एवं सूफी धर्म पर इसका प्रभाव पड़ा।**
- उल्लेखनीय भक्ति संतों में उत्तर भारत में **कबीर, गुरु नानक और मीरा बाई** एवं दक्षिण भारत में **अलवार, नयनार, रामानुज और बसव शामिल हैं।**

और पढ़ें... [भक्ति और सूफी आंदोलन](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birth-anniversary-of-sant-guru-ravidas